राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,गुरुवार, 07 मई 2026
वर्ष 14,अंक 28, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अवैध जब्ती और जल्दबाज़ी में नीलामी पर राज्य सरकार को झटका...03

अमेरिका का 'फ्लाइंग गैस स्टेशन' कतर के आसमान से हुआ गायब...04

ममता ने कहा- चुनाव आयोग ने मुझे हराया, इस्तीफा नहीं देंगे

ब्यूरो प्रयागराज- ममता बनर्जी ने मंगलवार को 2026 विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी टीएमसी की हार के बावजूद इस्तीफा देने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं हारी, बल्कि उसने 'नैतिक जीत' हासिल की है। चुनाव प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, हिंसा और संस्थागत पक्षपात हुआ है। ममता बनर्जी ने सबसे तीखा हमला चुनाव आयोग (ईसी) पर बोला। उन्होंने कहा, 'हमारी लड़ाई बीजेपी से नहीं, बल्कि चुनाव आयोग से थी। बीजेपी ने चुनाव आयोग के जरिए पूरी योजना बनाई। यह लोकतंत्र की निर्मम हत्या है।' उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई। कहा- '90 लाख नाम हटा दिए गए। फाइनल रिपोर्ट में 27 लाख काट दिए गए। कोर्ट जाने पर 32 लाख नाम बहाल हुए। ये सब क्या था। ' ममता बनर्जी ने चुनाव प्रचार और मतगणना के दौरान व्यापक हिंसा और डराने-धमकाने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'पहले राउंड के बाद मीडिया ने बीजेपी को बढ़त दिखानी शुरू की, उसके बाद बीजेपी के लोग बूथों में घुसकर हमारे कार्यकर्ताओं को पीटने लगे।' उन्होंने आरोप लगाया कि 'बीजेपी और गुंडों ने मिलकर अत्याचार किया,

पुलिस निष्क्रिय रही और एससी-एसटी परिवारों तक को निशाना बनाया गया।' महिलाओं को धमकियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'उन्हें कहा था- हम तुम्हारा रेप करेंगे। ' केंद्रीय बलों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, 'यह जवान वाहिनी है या गुंडा वाहिनी? मैंने ऐसा व्यवहार पहले कभी नहीं देखा। 'ममता बनर्जी ने यह भी दावा किया कि मतगणना के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा, 'मुझे स्वतंत्र रूप से घूमने नहीं दिया गया। मेरे पेट और पीठ पर लात मारी गई और मुझे काउंटिंग सेंटर से बाहर निकाल दिया गया।' उन्होंने आरोप लगाया कि सीआरपीएफ कर्मियों ने उनके पार्टी एजेंटों को अंदर जाने से रोका। 'हम शिकायत किससे करें? सब खरीदे हुए हैं।' ममता बनर्जी ने मीडिया के एक वर्ग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'पहले राउंड के बाद मीडिया ने बीजेपी को बढ़त दिखानी शुरू कर दी, जिससे माहौल प्रभावित हुआ और उसके बाद हिंसा शुरू हुई। 'ममता बनर्जी ने बताया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविन्द केजरीवाल, उपाध्याय ठाकरे, हेमंत सोरेन और तेजस्वी यादव समेत कई नेताओं ने फोन कर समर्थन जताया। उन्होंने कहा, 'इंडिया गठबंघन मेरे साथ है। इंडिया गठबंधन को और मजबूत करूंगी। अखिलेश यादव कल (बुधवार) मिलने आ रहे हैं। ' ममता बनर्जी ने एक और गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान भवानीपुर केंद्र में उनके साथ बदसलूकी की गई। उन्होंने दावा किया कि उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और 'पेट और पीठ के पीछे लात मारी गई।' उन्होंने इस घटना को लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताया और इसकी जांच की मांग की।

हार के बावजूद ममता बनर्जी ने संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया। उन्होंने कहा- 'हमने शेर की तरह लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे। हम वापसी करेंगे।' उन्होंने कहा- 'मुझे कुर्सी की चिंता नहीं, मुझे लोगों की चिंता है। ' टीएमसी ने चुनाव बाद हिंसा की जांच के लिए 10 सदस्यीय कमेटी बनाई है। ममता बनर्जी ने कहा, 'यह टीम उन जगहों का दौरा करेगी जहां हमारे कार्यालयों पर कब्जा हुआ या हिंसा हुई।' उन्होंने यह भी बताया कि अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में भी तोड़फोड़ की गई। ममता बनर्जी ने बीजेपी को चेतावनी देते हुए कहा, 'जब आप केंद्र में सत्ता में नहीं होंगे, तब आपको भी यही सब झेलना पड़ सकता है। इतिहास खुद को दोहराएगा।' उन्होंने सवाल उठाया, 'क्या आप एक-दलीय शासन चाहते हैं? क्या कोई विपक्ष नहीं होना चाहिए? '

बंगाल में चुनाव बाद हिंसाः टीएमसी दफ्तरों में आगजनी, कार्यकर्ताओं पर हमले, हत्या

ब्यूरो प्रयागराज। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बड़ी जीत के बाद राज्य में बड़े पैमाने पर हिंसा की ख़बरें हैं। टीएमसी के अनुसार एक की हत्या हो गई। राज्य भर में टीएमसी के कार्यकर्ताओं पर हमले हुए। डामंड हार्बर के फलता, आसनसोल जैसी जगहों पर पार्टी के दफ्तरों में आगजनी की ख़बरें आई हैं। राज्य में बीजेपी की जीत के बाद से ही हिंसा की छिटपुट घटनाएँ आ रही थीं, लेकिन मंगलवार को चुनाव बाद हिंसा बड़े पैमाने पर हुई। सोशल मीडिया पर इन घटनाओं के वीडियो वायरल हुए हैं। बीरभूम के नानूर में हिंसा में मंगलवार को एक व्यक्ति की हत्या कर दिए जाने का आरोप लगा है। टीएमसी का आरोप है कि एक पार्टी कार्यकर्ता को दिनदहाड़े सड़क पर काटकर मार दिया गया। इसने दावा किया है कि कई जगहों पर टीएमसी कार्यकर्ताओं पर लाठियों से हमला किया गया। दावा है कि टीएमसी के सोशल मीडिया कार्यकर्ता को जमीन पर दबाकर लाठियों से पीटा गया। टीएमसी ने इन वीडियो को साझा करते हुए बीजेपी पर बड़े आरोप लगाए हैं। हालाँकि, बीजेपी ने इन आरोपों से इनकार किया है। टीएमसी का आरोप है कि अलीपुरद्वार के वार्ड नंबर 1 में एक बुजुर्ग महिला पर बेरहमी से हमला किया गया और उसे लहूलुहान हालत में सड़क पर ही छोड़ दिया गया। इसके अलावा टीएमसी के कई कार्यालयों पर हमले का आरोप है। कोलकाता के टॉलीगंज, कासबा, रूबीमोर इलाकों में टीएमसी कार्यालयों में तोड़फोड़ हुई।

जामुड़िया में टीएमसी कार्यालय में आग लगा दी गई। बारुईपुर, कमरहाटी, बरानगर, हावड़ा, बहरामपुर आदि जगहों पर हमले। पार्टी ने दावा किया है कि बाली में और डायमंड हार्बर के फलता में दफ़्तर में तोड़-फोड़ की गई। आसनसोल, वर्द्धमान, सिलीगुड़ी, हावड़ा और नादिया में भी बीजेपी के दफ़्तरों में तोड़फोड़ व आगजनी की ख़बरें हैं। इसके अलावा जलपाईगुड़ी, आसनसोल, बैरकपुर, दिनहाटा आदि में सोमवार को गिनती केंद्रों के पास झड़पें हुई। टीएमसी प्रत्याशी जहांगीर खान के कार्यालय पर भी भीड़ ने हमला किया। इटहर विजेता मोशारफ हुसैन पर कार से हमला कर शीशे तोड़ दिए गए, उनको चोट आई। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने इन घटनाओं के लिए बीजेपी पर सीधा आरोप लगाया है। टीएमसी ने मंगलवार को कहा, 'बीजेपी का 'परिवर्तन' निर्दोषों के खून से लिखा जा रहा है।' पार्टी ने इसे 'मध्ययुगीन बर्बरता' बताया और कहा कि पूरे बंगाल में हिंसा फैलाई जा रही है। टीएमसी ने आरोप लगाया कि सत्ता संभालते ही बीजेपी की 'हरमाद बाहिनी' (हिंसक गुंडों) ने रैम्पेज शुरू कर दिया है। टीएमसी ने कहा, 'कल शुभेंदु अधिकारी ने खुलेआम धमकी दी थी कि तृणमूल कांग्रेस को 24 घंटे में खत्म कर देंगे। आज ठीक वही हो रहा है।' टीएमसी ने कहा कि 'यह बंगाल का 'परिवर्तन' नहीं है। बंगाल ने इस तरह की हिंसा, धमकी और सांप्रदायिक गुंडागर्दी के लिए वोट नहीं दिया है। हम अपनी थाली, अपनी रसोई और अपनी आजादी की रक्षा करेंगे। 'ह टीएमसी का आरोप है कि अमित शाह द्वारा भेजी गई हजारों केंद्रीय बलों की तैनाती के बावजूद ये सब कुछ 'खुलेआम' हो रहा है और बल 'चुपचाप तमाशा देख रहे हैं।'

संक्षिप्त ख़बरें

आकाशीय बिजली के चपेट में 8 बकरियों की मौत दो चरवाहे घायल

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत हिनौता फुलवरिया के निकट आकाशीय बिजली के चपेट में आने से 8 बकरियों का मौके पर ही मौत हो गई और दो महिला चरवाहा मुन्नी देवी पति बाबूलाल उम्र लगभग 45 वर्स व मुन्नी देवी पति सुदामा उम्र लगभग 47 वर्ष निवासी हिनौता फुलवरिया प्रत्येक दिन की तरह बकरियां चरा रही थी दिन की लगभग 12:30 बजे आकाशी बिजली के चपेट में आने से 8 बकरियों की मौत हो गई, और दोनों महिला घायल हो गई। मुन्नी देवी पति सुदामा को निजी अस्पताल अदलहाट में भर्ती कराया गया ,और वहीं दूसरी महिला को नजदीकी चिकित्सक से दवा इलाज कराया गया। सूचना मिलते उपरांत मौके पर पहुंची पीआरबी 112 नंबर से पीड़ित महिला ने मुआवजे की मांग किया पीआरबी 112 नंबर ने अहरौरा थाना पर प्रार्थना पत्र देने हेतु कार्यवाही की आश्वासन दिया पीड़ित महिला ने बताया कि जिविकापार्जन का मात्र एक साधन था।

महरौनी के 9 लोगों की सड़क हादसे में निधन पर शोक की लहर

तालबेहट। अयोध्या तीर्थ से धार्मिक आयोजन सम्पन्न कर वापस लौट रहे महरौनी निवासी संभ्रांत परिवारों के 9 लोगों की सड़क हादसे में हुई मौत से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे की खबर मिलते ही नगरवासियों में गहरा दुःख व्याप्त हो गया। नगर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने इस दुखद घटना पर शोक संवेदनाएँ व्यक्त की हैं।

युवा जागृति मंच, नगर उद्योग व्यापार मंडल, नगर पंचायत एवं सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। सभी संगठनों ने इसे अत्यंत पीड़ादायक घटना बताते हुए कहा कि इस दुर्घटना से पूरे क्षेत्र को गहरा आघात पहुंचा है।

उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर पर बदला फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में सड़कों पर पड़े स्मार्ट मीटर और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तस्वीरें लगभग सभी जिलों से सामने आई. इन तस्वीरों ने योगी आदित्यनाथ सरकार की बेचैनी बढ़ा दी. यह साफ होने लगा कि विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिल गया है और मामला धीरे-धीरे जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है. इसके बाद सरकार ने एक के बाद एक फैसले लिए और स्मार्ट प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदलने का निर्णय किया. आइए जानते हैं कि योगी सरकार स्मार्ट मीटर पर बैकफुट पर कैसे आ गई, हालांकि अभी भी प्रीपेड मीटर को लेकर लोगों में मन में संशय क्यों है?

तीन साल पहले शुरू हुई थी स्मार्ट मीटर की योजना

दरअसल, तीन साल पहले सरकार ने प्रदेश में बड़े स्तर पर स्मार्ट मीटर लगाने की योजना शुरू की थी. इसका उद्देश्य रियल-टाइम खपत की जानकारी, ऑनलाइन बिलिंग और बिजली चोरी पर रोक लगाना था. करीब 70 लाख घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए और नए कनेक्शन पर इसे अनिवार्य किया गया. इस व्यवस्था में उपभोक्ता पहले रिचार्ज करता था और फिर बिजली का उपयोग करता था। हालांकि, जैसे ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर के बिल आने शुरू हुए, उपभोक्ताओं को लगा कि उनसे ज्यादा वसूली हो रही है. कई जिलों में शिकायतें बढ़ीं और ज्यादा बिल आने के आरोप लगे।

बिजली कटने की शिकायतों के बाद बवाल

बैलेंस खत्म होते ही बिजली कटने की शिकायतें भी तेजी से सामने आई. उपभोक्ताओं का कहना था कि बैलेंस निगेटिव होते ही बिजली काट दी जाती है और भुगतान के बाद भी 24 से 72 घंटे तक आपूर्ति बहाल नहीं होती. कई जगह लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मीटर उखाड़कर फेंक दिए. उपभोक्ताओं का आरोप था कि जहां पहले महीने का बिल करीब 600 रुपये आता था, वहीं अब हर हफ्ते इतना खर्च हो रहा है।

जनाक्रोश को देखते हुए सरकार ने अप्रैल में राहत देने की घोषणा की. इसके तहत बैलेंस खत्म होने पर अधिकतम तीन दिन या माइनस 200 रुपये तक बिजली न काटने

और पांच स्तर के स्स्- अलर्ट सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया गया।

सरकार का बड़ा फैसला, पदले गये प्रीपेड मीटर

इसके बावजूद विरोध जारी रहने पर सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड मोड में बदलने की घोषणा कर दी. अब उपभोक्ता पहले की तरह बिजली इस्तेमाल करने के बाद बिल का भुगतान करेंगे. बकाया राशि को 10 किस्तों में जमा करने की सुविधा भी दी गई है. साथ ही, बिल हर महीने की 10 तारीख तक जारी होगा और भुगतान के लिए 15 दिन का समय मिलेगा।

सरकार ने प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता भी खत्म कर दी है. नए कनेक्शन पोस्टपेड में भी दिए जा सकेंगे और पहले से लगे प्रीपेड मीटर को भी पोस्टपेड में बदला जाएगा. करीब 70 लाख घरों में लागू इस व्यवस्था से 3 से 4 करोड़ लोग प्रभावित हो रहे थे. प्रीपेड स्मार्ट मीटर का मुद्दा इतना गरमाया कि योगी सरकार को लोगों की नाराजगी का डर सताने लगा. इस साल के अंत तक राज्य में विधानसभा चुनाव का ऐलान होने हैं. ऐसे में योगी सरकार ने लोगों की नाराजगी को समाप्त करने फैसला किया. हालांकि अब देखना होगा कि योगी सरकार ने स्मार्ट मीटर का फैसला तो वापस ले लिया है, लेकिन लोगों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर को लेकर जो संशय और आशंका है, वह दूर कर पाती है या नहीं।

हेट स्पीच मामलों में स्वतः एफआईआर न दर्ज करना अवमानना नहीं: सुप्रीम कोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि हेट स्पीच के मामलों में पुलिस द्वारा स्वतः एफआईआर दर्ज न करना अपने-आप में अदालत की अवमानना नहीं माना जाएगा। अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता ने पहले पुलिस या संबंधित प्राधिकरण के पास शिकायत ही नहीं की, तो अवमानना कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि बिना किसी शिकायत या साक्ष्य के यह मान लेना कि पुलिस ने जानबूझकर आदेशों की अवहेलना की है, उचित नहीं है। पीठ ने कहा कि 21 अक्टूबर 2022 और 28 अप्रैल 2023 के आदेशों का उद्देश्य केवल अधिकारियों को उनके वैधानिक कर्तव्यों की याद दिलाना था, न कि हर मामले में स्वतः एफआईआर दर्ज करने का अनिवार्य निर्देश देना। अदालत ने स्पष्ट किया कि अवमानना लागू करने के लिए यह दिखाना जरूरी है कि पुलिस को संज्ञेय अपराध की जानकारी होने के बावजूद उसने कार्रवाई करने में

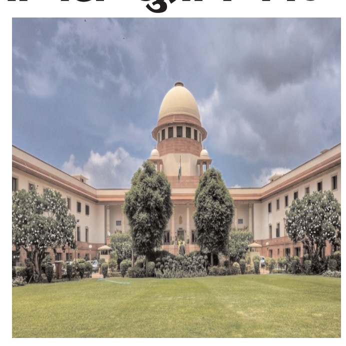

'हिचकिचाहट' दिखाई। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि याचिकाकर्ता ने संबंधित अधिकारियों से संपर्क ही नहीं किया या कोई सामग्री उनके सामने नहीं रखी, तो अवमानना का आरोप नहीं लगाया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने सामान्य दिशा-निर्देश जारी करने से इनकार करते हुए कहा कि अपराध तय करना विधायिका का क्षेत्राधिकार है। साथ ही, अदालत ने माना कि हेट स्पीच से निपटने के लिए मौजूदा कानून पर्याप्त हैं और किसी बदलाव की आवश्यकता है या नहीं, यह केंद्र और राज्यों के विवेक पर निर्भर करेगा। अंत में, कोर्ट ने दोनों अवमानना याचिकाओं का निपटारा कर दिया।

टीवीके की लहर के बीच तमिलनाडु में BJP की करारी हार, खाते में आई सिर्फ एक सीट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। तमिलनाडु में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुटी भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के तहत 27 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद पार्टी सिर्फ एक सीट जीतने में कामयाब रही। बीजेपी ने अप्रैल 2025 में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन किया और 2026 के विधानसभा चुनावों में 2021 की तुलना में अधिक सीटों के साथ प्रवेश किया। 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने बेहतर प्रदर्शन और प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में वरिष्ठ नेताओं की तैनाती के बल पर पार्टी को उम्मीद थी कि वह अपने संगठनात्मक बल को चुनावी लाभ में तब्दील कर पाएगी, हालांकि यह रणनीति जमीनी स्तर पर कारगर साबित नहीं हुई। इस चुनाव में नैनार नागेन्द्रन, एल. मुरुगन, तमिलिसाई सौंदराजन और वनथी श्रीनिवासन सहित कई प्रमुख नेताओं को हार का सामना करना पड़ा है। उनकी हार ने पार्टी के भीतर आंतरिक समीक्षा को तेज कर दिया है और नेतृत्व रणनीति तथा चुनाव प्रचार के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी के सहयोगी दल भी चुनावी प्रभाव डालने में विफल रहे। जी.के. वासन के नेतृत्व वाली तमिल मानिला कांग्रेस (मूपानार) गठबंधन व्यवस्था के तहत लड़ी गई सभी पांच सीटों पर हार गई। अन्य छोटे सहयोगी दल भी अपनी उपस्थिति को जीत में तब्दील नहीं कर सके, जो गठबंधन की वोट हस्तांतरण प्रणाली की व्यापक विफलता को दर्शाता है। बीजेपी के खराब प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण कारण अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) का उदय था, जिसने पारंपरिक मतदान पैटर्न को बाधित कर दिया।

टीवीके ने मांगा समर्थन, प्रदेश कांग्रेस करेगी फैसला... बोले के.सी वेणुगोपाल

- तमिलनाडु में सरकार बनाने की कवायद तेज
- तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े (118) से दूर रह गई।
- सरकार बनाने के लिए टीवीके ने कांग्रेस से समर्थन मांगा है।
- कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाई को धर्मनिरपेक्ष सरकार और भाजपा हस्तक्षेप को रोकने की शर्त के साथ इस अनुरोध पर फैसला लेने का निर्देश दिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विजय की टीवीके ने उनसे समर्थन के लिए संपर्क किया है. उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस नेताओं को विजय के आग्रह पर फैसला लेने का निर्देश दिया गया है. केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि टीवीके अध्यक्ष थिरु विजय ने तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए इंडियन नेशनल कांग्रेस से सपोर्ट मांगा है. उन्होंने अपने पॉलिटिकल मिशन में पेरुमथलाइवर कामराज से भी प्रेरणा लेने की बात कही है. इस बीच, विजय को टीवीके विधायक दल का नेता चुना गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि तमिलनाडु में जनादेश एक धर्मनिरपेक्ष सरकार के लिए है, जो संविधान की पूरी तरह से रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है. कांग्रेस का पक्का इरादा है कि भाजपा और उसके प्रॉक्सी किसी भी तरह से तमिलनाडु सरकार न चलाएं।

प्रदेश कांग्रेस लेगी अंतिम फैसला

उन्होंने आगे लिखा, इसलिए, कांग्रेस नेतृत्व ने तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस को चुनावी नतीजों में दिखाई देने वाली राज्य की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए थिरु विजय की रिक्वेस्ट पर आखिरी फैसला लेने का निर्देश दिया है।

हालांकि टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन वे आधी सीटें भी

पार नहीं कर पाई. 234 सदस्यों वाली तमिलनाडु विधानसभा में सिंपल मेजॉरिटी के लिए 118 सीटों की जरूरत है. टीवीके ने 108 सीटें जीतीं, जो लगभग 10 सीटों से कम थीं।

डीएम के के नेतृत्व वाले अलायंस को 73 सीटें मिलीं. डीएम के ने 59 सीटों पर जीत हासिल की. कांग्रेस ने जिन 28 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से पांच पर जीत हासिल की. वीसीक, सीपीआई और सीपीआई (एम) ने दो-दो सीटें जीतीं।

तमिलनाडु में सरकार बनाने की कवायद तेज

इससे पहले दिन में, वीसीके प्रेसिडेंट थोल थिरुमावलवन ने कहा कि पार्टी ने विजय को सपोर्ट देने पर कोई फैसला नहीं लिया है. उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी कदम लेफ्ट के साथियों से सलाह-मशविरा करके ही उठाया जाएगा। डीएमडीके नेता, प्रेमलता विजयकांत ने भी विजय से कोई वादा करने से इनकार दिया, और कहा कि पार्टी डीएमके की लीडरशिप वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) में बने रहने का इरादा रखती है. इस बीच, लेफ्ट पार्टियों ने कहा कि वे समय आने पर फैसला करेंगे।

परिवर्तन की बयार और सत्ता के बदलते समीकरण

वर्तमान विधानसभा चुनावों के परिणाम केवल सत्ता के हस्तांतरण की कहानी नहीं कहते, बल्कि वे भारतीय लोकतंत्र के विकसित होते स्वरूप का एक जीवंत दस्तावेज हैं। भारत के राजनीतिक मानचित्र पर पूरब से दक्षिण तक जो लहर दिखाई दी है, उसने स्थापित मान्यताओं को ध्वस्त करते हुए एक नई वैचारिक धरातल तैयार की है। पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु और केरल से लेकर असम तक, मतदाताओं ने जिस प्रकार का विवेक प्रदर्शित किया है, वह यह स्पष्ट करता है कि अब भारतीय राजनीति केवल प्रतीकों के सहारे नहीं, बल्कि ठोस परिणामों और नए विकल्पों के आकर्षण पर आधारित हो चुकी है। इन चुनावों में सबसे चौंकाने वाला और ऐतिहासिक परिवर्तन पश्चिम बंगाल की धरती पर देखा गया। भारतीय जनता पार्टी ने यहाँ पहली बार पूर्ण बहुमत प्राप्त कर राज्य में अपनी सरकार बनाने की स्थिति हासिल की है। यह परिवर्तन साधारण नहीं है क्योंकि इसने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले लगभग 15 वर्ष लंबे शासन का अंत कर दिया है। बंगाल की राजनीति, जो दशकों तक वामपंथी और फिर तृणमूल कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही, अब एक बिल्कुल नई दिशा में मुड़ गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यहाँ सत्ता-विरोधी लहर के साथ-साथ सांस्कृतिक और संगठनात्मक बदलाव की जो प्रक्रिया वर्षों से चल रही थी, उसने 2026 में अपना पूर्ण स्वरूप प्राप्त कर लिया। यह जीत केवल एक राज्य की जीत नहीं है, बल्कि इसे पूर्वी भारत में एक बड़ी राष्ट्रीय विचारधारा के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। बंगाल के मतदाताओं ने इस बार भ्रष्टाचार और प्रशासनिक जड़ता के विरुद्ध विकास और नई कार्यसंस्कृति को प्राथमिकता दी है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका है क्योंकि उनकी पकड़ न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर हुई, बल्कि शहरी मध्यम वर्ग ने भी इस बार परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया।

दक्षिण की ओर रुख करें तो तमिलनाडु ने पूरे देश को अपनी राजनीतिक परिपक्वता और नए नेतृत्व के प्रति उत्साह से विस्मित कर दिया है। अभिनेता विजय की नवगठित पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने अपने पहले ही चुनाव में जो प्रदर्शन किया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। तमिलनाडु की राजनीति दशकों से द्रविड़ मुनेत्र कझगम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम जैसी दो पारंपरिक पार्टियों के वर्चस्व में बंधी हुई थी। विजय की पार्टी ने इस द्विपक्षीय चक्र को तोड़कर स्वयं को एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित किया। आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो उनकी पार्टी ने 100 से अधिक सीटों पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे वह राज्य की राजनीति में केवल तीसरी ताकत नहीं, बल्कि एक नई धुरी बनती दिख रही है। यह परिणाम इस बात का संकेत है कि तमिलनाडु का युवा वर्ग अब पुरानी द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक ढांचों से बाहर निकलकर कुछ नया और आधुनिक देख रहा है। विजय ने अपनी रैलियों में जिस तरह से सामाजिक न्याय और सुशासन की बात की, उसने युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले नागरिकों को गहराई से प्रभावित किया। यह बदलाव आने वाले समय में दक्षिण भारत की पूरी राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

केरल में भी इस बार परिवर्तन की परंपरा अक्षुण्ण रही। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ ने 10 वर्ष के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की है। पिछले चुनाव में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चा यानी एलडीएफ ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर जो इतिहास रचा था, उसे इस बार मतदाताओं ने दोहराने नहीं दिया। केरल के चुनावी इतिहास में यह देखा गया है कि जनता प्रायः हर 5 वर्ष में सरकार बदल देती है, परंतु पिछले कार्यकाल में इस परंपरा के टूटने के बाद यह माना जा रहा था कि वामपंथ की जड़ें और गहरी हो गई हैं। लेकिन 2026 के परिणामों ने सिद्ध कर दिया कि प्रशासनिक थकान और सत्ता के प्रति असंतोष किसी भी शासन के लिए घातक हो सकता है। यूडीएफ की इस जीत में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी पुरानी ताकत को फिर से संकलित किया। अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यक समुदाय के बीच एक नए प्रकार के संतुलन और विकास के वादों ने यूडीएफ को पुनः सत्ता की दहलीज तक पहुँचाया। वामपंथी दलों के लिए यह आत्ममंथन का समय है क्योंकि उनका यह गढ़ अब ढह चुका है।

असम की स्थिति इन तीनों राज्यों से बिल्कुल भिन्न रही। यहाँ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की दिशा में जीत दर्ज कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी पकड़ न केवल बनाए रखी, बल्कि उसे और अधिक मजबूत किया। असम का यह परिणाम स्थिरता की मांग को दर्शाता है। जहाँ अन्य राज्यों में परिवर्तन की लहर थी, वहीं असम के मतदाताओं ने मौजूदा नेतृत्व की नीतियों और सुरक्षा संबंधी दृष्टिकोण पर अपना विश्वास जताया। विकास कार्यों की गति और सीमावर्ती मुद्दों पर सरकार की सक्रियता ने जनता के बीच एक सकारात्मक संदेश भेजा। भाजपा के लिए असम पूर्वोत्तर भारत का वह प्रवेश द्वार बना हुआ है, जहाँ से उसकी नीतियां पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। यह जीत यह भी दर्शाती है कि यदि नेतृत्व सक्रिय हो और विकास के जमीनी कार्य दिख रहे हों, तो सत्ता-विरोधी लहर का प्रभाव कम किया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर यदि इन चार राज्यों के परिणामों का निचोड़ निकाला जाए, तो कई महत्वपूर्ण संकेत मिलते हैं। मतदाताओं ने इस बार 'परिवर्तन' को एक अनिवार्य आवश्यकता के रूप में देखा है। यह प्रवृत्ति उन राज्यों में अधिक स्पष्ट रही जहाँ सत्ता लंबे समय से एक ही दल के पास थी। भारतीय मतदाता अब बहुत अधिक गतिशील हो गया है। वह केवल पुराने संबंधों या भावनाओं के आधार पर वोट नहीं दे रहा, बल्कि वह परिणामों की समीक्षा कर रहा है। नए नेतृत्व और विकल्पों के लिए खुलापन इस चुनाव की सबसे बड़ी विशेषता रही। तमिलनाडु में विजय की पार्टी का उदय इसका सबसे सटीक उदाहरण है। वहीं दूसरी ओर, जहाँ स्थिरता और सुरक्षा का अनुभव हुआ, वहाँ मतदाताओं ने यथास्थिति को बनाए रखने में संकोच नहीं किया, जैसा कि असम में देखा गया। क्षेत्रीय दलों और राष्ट्रीय दलों के बीच का संतुलन भी बदल रहा है। जहाँ बंगाल में राष्ट्रीय दल ने क्षेत्रीय शक्ति को विस्थापित किया, वहीं तमिलनाडु में एक नई क्षेत्रीय शक्ति ने राष्ट्रीय स्तर के गठबंधनों को चुनौती दी।

इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं और युवाओं की भागीदारी रही। सभी राज्यों में मतदान प्रतिशत में वृद्धि देखी गई, जो लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। डेटा के अनुसार, पश्चिम बंगाल में महिला मतदाताओं का झुकाव इस बार निर्णायक साबित हुआ, जिन्होंने सुरक्षा और रोजगार के मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया। केरल में शिक्षित युवाओं ने भ्रष्टाचार के मुद्दों पर वामपंथ के विरुद्ध मतदान किया। तमिलनाडु में सिनेमाई लोकप्रियता का राजनीतिक प्रभाव एक बार फिर सिद्ध हुआ, लेकिन इस बार इसके पीछे एक व्यवस्थित संगठन और नीतिगत ढांचा भी मौजूद था। यह चुनाव यह भी स्पष्ट करते हैं कि भारत की राजनीति अब अधिक गतिशील और प्रतिस्पर्धात्मक हो रही है। अब कोई भी राजनीतिक किला अभेद्य नहीं रह गया है। मतदाताओं की आकांक्षाएं बढ़ रही हैं और वे अब शासन से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि 2026 के ये चुनाव परिणाम आने वाले 2029 के आम चुनावों के लिए एक बड़ी आधारभूमि तैयार कर रहे हैं। इन परिणामों ने यह संदेश दिया है कि भारतीय राजनीति में नए चेहरों और नए विचारों के लिए पर्याप्त स्थान है। क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय आकांक्षाओं के बीच एक नया सामंजस्य बनता दिख रहा है। बंगाल की जीत भाजपा के लिए एक बड़ी वैचारिक विजय है, जबकि तमिलनाडु में विजय का उदय द्रविड़ राजनीति के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगाता है। केरल और असम के परिणाम बताते हैं कि सुशासन और विकल्प की उपलब्धता ही सत्ता की कुंजी है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की उस जीवंतता को दर्शाती है, जिसमें जनता ही अंतिम निर्णायक है और उसकी चुप्पी में ही सबसे बड़े परिवर्तन के बीज छिपे होते हैं। 2026 का यह साल भारतीय राजनीतिक इतिहास में एक बड़े प्रस्थान बिंदु के रूप में याद किया जाएगा, जिसने पुराने दिग्गजों को विश्राम दिया और नए नायकों को मंच प्रदान किया।

महेन्द्र तिवारी

बड़ा मंगल है मंगल करेंगे प्रभु.....

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

ज्येष्ठ की प्रचंड गर्मी में भी जब शहर की गलियाँ प्रसाद की महक से भर जाती हैं और हनुमान जी के भजनों से वातावरण गूंज उठता है, तब समझ लीजिए कि बड़ा मंगल आ गया है। यह कोई सामान्य मंगलवार नहीं, बल्कि हनुमान भक्ति और सेवा का पावन उत्सव है। रामायण की पावन कथा के अनुसार, ज्येष्ठ मास के मंगलवार को ही भगवान श्री राम की हनुमान जी से प्रथम भेंट हुई थी। इसी पावनता के कारण पूरे ज्येष्ठ मास के मंगलवार विशेष माने जाते हैं और लखनऊ में इसे 'बड़ा मंगल' के नाम से मनाया जाता है।

अवध की धरती पर इस परंपरा की नींव नवाबी काल में पड़ी। किंवदंती है कि नवाब की बेगम को स्वप्न में हनुमान जी के दर्शन हुए। पुत्र की बीमारी से मुक्ति के बाद कृतज्ञता स्वरूप अलीगंज के प्राचीन हनुमान मंदिर का नवीनीकरण कराया गया और पूरे शहर में गुड़-धनिया, पूड़ी-सब्जी तथा शरबत का भंडारा शुरू हुआ। तब से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है।

अलीगंज के पुराने और नए हनुमान मंदिर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से गुलजार रहते हैं। सैकड़ों भंडारे लगते हैं। गर्मी के इन दिनों में राहगीरों को ठंडा शरबत और पौष्टिक भोजन पहुँचाना हनुमान भक्ति का सबसे सुंदर रूप बन गया है। भक्त 'हनुमान चालीसा' का पाठ करते हैं, 'जय श्री राम' के नारे लगाते हैं और प्रभु की कृपा प्राप्त करते हैं।

बड़ा मंगल है, मंगल करेंगे प्रभु...

यह न सिर्फ एक पंक्ति है, बल्कि संकल्प है। इस पावन अवसर पर हमें हनुमान जी की तरह निर्भय, बलवान और निष्काम सेवा भाव से जीवन जीने का संकल्प लेना चाहिए। भक्ति के साथ-साथ मानव सेवा भी करें, कष्ट में पड़ों की मदद करें और प्रभु की कृपा से अपना तथा समाज का मंगल करें। लखनऊ का बड़ा मंगल न सिर्फ शहर की आस्था है, बल्कि समूचे उत्तर भारत में हनुमान भक्ति की जीवंत परंपरा का प्रतीक है।

जय हनुमान। जय श्री राम।

हर मिनट उजड़ते ग्यारह फुटबॉल मैदान जितने जंगल- मानव विकास या विनाश?

जल, जंगल और जमीन–प्रकृति के ये तीनों आधार स्तंभ समस्त जीव-जगत के जीवन की धुरी हैं। किंतु विडंबना यह है कि आधुनिक और शिक्षित मानव ने अपने तथाकथित विकास की अंधी दौड़ में इन्हीं आधारों का निर्मम दोहन किया है। जंगलों की बलि देकर खड़ी की जा रही विकास यात्रा आज भी अनवरत जारी है, और इसके दुष्परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आने लगे हैं। वनों के अंधाधुंध विनाश ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया को भीषण तापमान वृद्धि के संकट में धकेल दिया है। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि हर मिनट लगभग ग्यारह फुटबॉल मैदान के बराबर जंगल नष्ट किए जा रहे हैं। यह आंकड़ा भले ही अविश्वसनीय लगे, लेकिन यही आज की कठोर सच्चाई है, जिसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मेरीलैंड विश्वविद्यालय की 'ग्लोबल लैंड एनालिसिस एंड डिस्कवरी लैब' की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 43 हजार वर्ग किलोमीटर जंगल समाप्त हो जाते हैं–जो कि डेनमार्क जैसे देश के बराबर क्षेत्रफल है। यह आंकड़ा न केवल चिंताजनक है, बल्कि पूरी मानवता के लिए चेतावनी भी है। सन् 2021 में आयोजित जलवायु शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक देशों ने वनों की कटाई पर रोक लगाने का संकल्प लिया था। दुर्भाग्यवश, इस संकल्प को गिने-चुने देशों ने ही गंभीरता से निभाया। परिणामस्वरूप, प्रकृति का संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है।आज बढ़ता तापमान, असमय बाढ़, भूस्खलन, और पेयजल संकट ये सभी प्रकृति के असंतुलन के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। हिमालयी क्षेत्रों में, जहाँ कभी पंखे की आवश्यकता नहीं पड़ती थी, आज वहाँ एयर कंडीशनर की मांग बढ़ रही है। यह परिवर्तन केवल जीवनशैली का नहीं, बल्कि जलवायु संकट का स्पष्ट संकेत है।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए वनों का संरक्षण एक बड़ी चुनौती बन चुका है। हर वर्ष बढ़ती गर्मी और प्राकृतिक आपदाएँ इस संकट को और गहरा कर रही हैं। ऐसे में आवश्यक है कि केंद्र और राज्य सरकारें कठोर कानून बनाएं और हर नागरिक की जिम्मेदारी तय करें। यदि वनों का विनाश इसी गति से जारी रहा, तो आने वाले दो दशकों में मानव अस्तित्व पर गंभीर संकट मंडरा सकता है। अतः समय की मांग है कि हम सभी वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाएं और ईमानदारी से जंगलों के पुनर्निर्माण में योगदान दें। प्रकृति का संरक्षण ही मानवता का संरक्षण है।

अरविंद रावल

पुणे का कलंकः समाज की संवेदनहीनता का सबसे काला अध्याय

[जब सुरक्षा केवल वादा रह जाए और डर स्थायी सच्चाई बन जाए]

[कानून के बावजूद असुरक्षित जीवनः व्यवस्था पर उठते गंभीर प्रश्न]

मानवता को झकझोर देने वाली यह घटना समाज की संवेदनहीनता को उजागर करती है। पुणे के भोर तहसील के नासरापुर गांव में 1 मई 2026 को घटी यह घटना केवल अपराध नहीं, बल्कि गहरी मानवीय त्रासदी है। लगभग चार वर्ष की मासूम बच्ची, जो गर्मी की छुट्टियों में नानी के घर आई थी, उसे भोजन या बछड़ा दिखाने के लालच में पशुशाला में ले जाया गया। 65 वर्षीय व्यक्ति ने बेरहमी से अत्याचार कर पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की और शव को गोबर के ढेर में छिपा दिया। सीसीटीवी कैमरों ने सच सामने ला दिया, फिर भी प्रश्न है कि ऐसी घटनाएँ क्यों बढ़ रही हैं। क्या हमारी सुरक्षा व्यवस्था और सामाजिक चेतना इतनी कमजोर हो चुकी है कि बच्चों की रक्षा भी सुनिश्चित नहीं? यह घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की गंभीर विफलता का प्रमाण है। आरोपी पर पहले भी यौन अपराध के मामले दर्ज थे, जिससे अपराधियों के बढ़ते हौसले और पुलिस-न्याय व्यवस्था की कमियों पर सवाल और गहरे होते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हालिया आंकड़ों के अनुसार महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विभिन्न रिपोर्टों और उपलब्ध जानकारियों से भी स्पष्ट होता है कि अनेक क्षेत्रों में स्थिति दिन-प्रतिदिन अधिक गंभीर और असुरक्षित होती जा रही है। जो स्थान कभी सुरक्षित माने जाते थे, वे अब अपराध और असुरक्षा के नए केंद्र बनते जा रहे हैं। समस्या केवल कानूनों की मौजूदगी नहीं, बल्कि उनके कमजोर क्रियान्वयन और प्रभावी निगरानी के अभाव में छिपी है। यदि एक मासूम बच्ची अपने ही घर के आसपास सुरक्षित नहीं है, तो यह पूरे सुरक्षा तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। अपराधियों के बढ़ते हौसले का एक बड़ा कारण समाज की उदासीनता भी है, जो समय रहते चेतावनी संकेतों को नजरअंदाज कर देती है।

व्यवस्था में गहरे सुधार के बिना ऐसी घटनाओं पर रोक संभव नहीं। पुलिस व्यवस्था और न्याय प्रणाली में ठोस, प्रभावी बदलाव आवश्यक हैं। विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन हुआ है और मुख्यमंत्री ने फास्ट-ट्रैक ट्रायल व कठोर सजा की घोषणा की है, लेकिन ये कदम केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहने चाहिए। बाल यौन अपराध संरक्षण कानून के अंतर्गत लंबित मामलों की अधिक संख्या और दोषसिद्धि की कम दर व्यवस्था की कमजोरियों को स्पष्ट करती है। प्रत्येक जिले में 24 घंटे सक्रिय बाल संरक्षण इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होनी चाहिए। गाँवों और शहरों में निगरानी कैमरों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया जाए तथा महिला पुलिस की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए। न्याय प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सुरक्षा की वास्तविक नींव समाज की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी पर ही टिकी होती है। केवल कानून या प्रशासन के भरोसे सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, जब तक समाज स्वयं सजग न हो। बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। स्कूलों, आंगनवाड़ियों और खेल स्थलों को पूर्ण सुरक्षा क्षेत्र घोषित कर कठोर निगरानी आवश्यक है। अभिभावकों के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे संभावित खतरों को पहचान सकें। स्थानीय समुदायों में सतर्कता समूह बनाए जाने चाहिए जो संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत सूचना दें। बच्चों को आत्मरक्षा और सुरक्षित व्यवहार की शिक्षा देना भी अत्यंत आवश्यक है। जब तक समाज सक्रिय भागीदारी नहीं निभाएगा, तब तक केवल कानून व्यवस्था पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा।

सबसे बड़ी और गहरी चुनौती आज भी हमारी जड़ जमाई हुई मानसिकता है, जो वर्षों से बदली नहीं है। कई बार पीड़ित को ही प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया जाता है और पुरानी सोच से प्रभावित प्रतिक्रियाएँ दी जाती हैं। यह धारणा बदलनी होगी कि खतरा केवल अजनबियों से होता है, जबकि वास्तविकता यह है कि कई बार परिचित और भरोसेमंद लोग ही अपराधी बन जाते हैं। शिक्षा प्रणाली में लिंग संवेदनशीलता, सहमति का सम्मान और नैतिक मूल्यों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। मीडिया को भी अत्यंत जिम्मेदारी से कार्य करना होगा ताकि ऐसी घटनाओं को सनसनी के रूप में प्रस्तुत न किया जाए। दोषियों के लिए कठोरतम दंड पर गंभीर सामाजिक और कानूनी मंथन आवश्यक है।

बदलते समय में सुरक्षा को मजबूत करने की कुंजी आधुनिक तकनीक के प्रभावी और व्यापक उपयोग में निहित है। एआई आधारित उन्नत निगरानी प्रणाली, बच्चों के लिए सुरक्षित पहनने योग्य उपकरण और स्थान आधारित सुरक्षा तंत्र को बड़े स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। महिला सहायता केंद्रों को अधिक सशक्त, प्रभावी और त्वरित प्रतिक्रिया देने योग्य बनाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों तक तकनीकी सुरक्षा सुविधाओं का विस्तार भी आवश्यक है, ताकि गाँव और शहर के बीच सुरक्षा की खाई कम हो सके। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का उपयोग केवल सुरक्षा के उद्देश्य से हो और उसका किसी भी रूप में दुरुपयोग न हो। तकनीक तभी वास्तविक रूप से सार्थक है, जब वह अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी सुरक्षा पहुँचा सके।

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी मासूम और कमजोर जिंदगियों की सुरक्षा से होती है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल योजना नहीं, बल्कि राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी है। इस घटना ने स्पष्ट किया कि दोषी अक्सर परिचित होता है और बार-बार जेल से छूटने वाले अपराधी समाज के लिए बड़ा खतरा हैं। पुणे की मासूम बच्ची यह कठोर सच याद दिलाती है कि विकास तभी सार्थक है, जब जीवन सुरक्षित हो। यदि आने वाली पीढ़ियाँ भय में जीने को मजबूर होंगी, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएँगे। समाज, प्रशासन और परिवार–सभी को मिलकर सुरक्षित वातावरण बनाना होगा। नागरिकों की सतर्कता, कानून का कठोर पालन और न्याय व्यवस्था की सक्रियता ही समाधान दे सकती है। यह समय केवल सहानुभूति का नहीं, बल्कि ठोस और निरंतर कार्रवाई का है। अगर अब भी नहीं जागे, तो कल और कितनी मासूम चीखें दब जाएँगी?

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कविता

हवा की गुनगुन में
अनकहे गीत की परछाई।
जैसे कोई बूढ़ा पेड़
धीरे-धीरे याद करता हो
अपने बचपन की हरियाली।

बांसुरी की धुन
दूर कहीं नहीं,
यहीं पास
चरवाहे के होंठों पर नहीं,
बल्कि हमारे भीतर
धीरे से बजती है
जब हम चुप होते ।

बहता पानी
पत्थरों से टकराकर
शोर नहीं करता,
वह समझाता
कि रुकना भी एक तरह की थकान
और बहना ही
जीवन की सबसे सच्ची राह।

इन सबके बीच
जीवन कहीं लिखा नहीं जाता,
वह बस सुनाई देता
हवा की गुनगुन में,
बांसुरी की अनदेखी धुन में,
और पानी के कलरव में।

हम अक्सर
शहर के कोलाहल में
उसे खो देते
और फिर खोजते
किसी बड़ी उपलब्धि में,
जबकि वह तो
एक पत्ते के हिलने भर में था।

प्रकृति का यह संगीत
किसी मंच पर नहीं बजता,
न ही इसे कोई साधता
यह स्वयं लय लिए होता
जैसे सुबह का उजाला,
जैसे सांझ की थकान।

और शायद
जीवन भी कुछ ऐसा ही
जब हम उसे पकड़ना छोड़ देते
वह धीरे से
हमारे भीतर
बसने लगता है।

संजीव ठाकुर

मेष– कल का दिन आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में थोड़ी चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आपकी मेहनत और आत्मविश्वास से आप उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा, जिससे मन हल्का रहेगा।

वृषभ– कल आपको धन लाभ के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। कोई पुराना निवेश फायदा दे सकता है। नौकरी या व्यापार में प्रगति होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन– कल का दिन व्यस्तता भरा रहेगा। काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन आपकी सूझबूझ से सब ठीक रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कर्क– कल आप भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस कर सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सामान्य दिन रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह – कल आपका आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता और सम्मान मिलेगा। नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कन्या– कल मेहनत का पूरा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला– कल का दिन संतुलित रहेगा। रिश्तों में मधुरता आएगी। किसी यात्रा के योग बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक– कल कुछ तनावपूर्ण स्थितियां बन सकती हैं। धैर्य और समझदारी से काम लें। धन लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ सकते हैं।

धनु– कल भाग्य आपका साथ देगा। करियर में सफलता और नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बितेगा।

मकर– कल काम का दबाव रहेगा, लेकिन आप सफलता प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ– कल नए विचार और योजनाएं सफल होंगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं।

मीन– कल मानसिक शांति बनी रहेगी। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। करियर में शांति और स्थिरता बनी रहेगी।

प्रजातंत्र, वैचारिक स्वतंत्रता ही उसकी आत्मा और वास्तविक स्वरूप

प्रजातंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि नागरिकों और समाज की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का जीवंत मंच है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना या अर्थव्यवस्था से पहले उसके विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक चेतना में निहित होती है। जब नागरिक बिना भय के सोच सकते हैं, बोल सकते हैं और अपने विचार साझा कर सकते हैं, तभी एक सशक्त, प्रगतिशील और जीवंत लोकतंत्र का निर्माण होता है। हर देश में ऐसे चिंतनशील व्यक्तियों और समूहों का होना आवश्यक है, जो राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास के सिद्धांतों को नई ऊर्जा प्रदान करें। संस्कृति, संस्कार और वैचारिक परिपक्वता के बिना कोई भी राष्ट्र वैश्विक मंच पर स्थायी प्रगति नहीं कर सकता। विचार केवल शब्द नहीं होते, वे समाज की दिशा और दशा तय करने वाली शक्तियाँ होते हैं।

व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत जैसे गणतांत्रिक देश की मूल आत्मा है। विचार और सिद्धांत मनुष्य की अंतःप्रज्ञा का प्रतिबिंब होते हैं। यदि इन विचारों के प्रवाह को रोका जाए, तो यह केवल अभिव्यक्ति का दमन नहीं, बल्कि व्यक्ति की अंतरात्मा को आहत करना होता है। इतिहास साक्षी है कि जब भी विचारों को दबाने का प्रयास हुआ, उन्होंने और अधिक तीव्र होकर समाज में परिवर्तन की लहर पैदा की। प्राचीन यूनान के महान दार्शनिक सुकरात इसका सजीव उदाहरण हैं। साधारण रूप-रंग के बावजूद उनके विचारों में अद्भुत मौलिकता और जनजागरण की शक्ति थी। राजसत्ता ने उनके विचारों को खतरा मानकर उन्हें मृत्युदंड दे दिया, परंतु विष का प्याला पीने के बाद भी उनके विचार अमर हो गए। आज भी उनकी शिक्षाएं मानवता को दिशा प्रदान करती हैं।

इसी प्रकार अब्राहम लिंकन ने दास प्रथा के विरुद्ध जो विचार प्रस्तुत किए, वे उस समय अत्यंत क्रांतिकारी थे। उन्होंने कहा कि दास भी मनुष्य हैं और उन्हें समान अधिकार मिलना चाहिए। उनके इन विचारों ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया। यद्यपि उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी, पर उनके विचारों ने दास प्रथा के अंत की नींव रखी और मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ी।

स्वामी विवेकानंद के शब्द हम जो सोचते हैं, वही बन जाते हैं आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके अनुसार विचार ही मनुष्य का निर्माण करते हैं, वही उसे महान या दुष्ट बनाते हैं। व्यक्ति का अस्तित्व उसके विचारों से ही परिभाषित होता है। भौतिक शरीर भले ही नष्ट हो जाए, पर विचारों की शक्ति और प्रभाव कालातीत होते हैं। आज के डिजिटल युग में यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी और वैश्विक संवाद के माध्यमों ने विचारों के प्रसार को तीव्र और व्यापक बना दिया है। एक व्यक्ति का विचार अब कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। यही कारण है कि विचार अब केवल व्यक्तिगत नहीं रहते, वे जनांदोलन का रूप धारण कर सकते हैं।.इतिहास में फ्रांसीसी क्रांति इसका सशक्त उदाहरण है, जहाँ जनमानस में जागृत विचारों ने राजसत्ता की जड़ों को हिला दिया। इसी प्रकार भारत का स्वतंत्रता संग्राम भी विचारों और सिद्धांतों की शक्ति का परिणाम था, जहाँ लाखों लोगों ने एक साझा विचारधारा के तहत संघर्ष किया। हालाँकि, विश्व के कुछ देशों में आज भी विचारों की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं। अभिव्यक्ति के माध्यमों को नियंत्रित कर वैचारिक प्रवाह को सीमित करने का प्रयास किया जाता है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है, बल्कि मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है। विचारों को कैद नहीं किया जा सकता वे स्वभावतः स्वतंत्र, गतिशील और अजेय होते हैं।

यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को दबाया जा सकता है, पर विचारों को नहीं। विचार एक से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हुए और अधिक सशक्त होते जाते हैं। जब एक विचार जनमानस में उतर जाता है, तो वह अकेले व्यक्ति का नहीं रह जाता, बल्कि सामूहिक चेतना का हिस्सा बन जाता है। यही वह क्षण होता है, जब परिवर्तन की शुरुआत होती है और युग निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है। अतः किसी भी स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के लिए आवश्यक है कि वह अपने नागरिकों को विचारों की स्वतंत्रता प्रदान करे, उन्हें नवीनता और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करे। क्योंकि विचार ही वह शक्ति हैं, जो समाज को दिशा देते हैं, राष्ट्र को ऊँचाइयों तक ले जाते हैं और मानवता को आगे बढ़ाते हैं।

संजीव ठाकुर

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बन्धित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

अवैध जब्ती और जल्दबाज़ी में नीलामी पर राज्य सरकार को झटका- इलाहाबाद हाईकोर्ट

● इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कम-से-कम 2 लाख मुआवज़े का आदेश दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कथित गौ-तस्करी के अप्रमाणित आरोप में वाहन जब्त कर जल्दबाज़ी में नीलाम करने पर उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाते हुए वाहन स्वामी को कम-से-कम 2 लाख रुपये मुआवज़ा देने का आदेश दिया। अदालत ने जब्ती और ज़ब्ती से जुड़े आदेश रद्द करते हुए कहा कि राज्य की कार्रवाई मनमानी, अवैध और कानून के विपरीत थी। जस्टिस संदीप जैन ने कहा कि यदि राज्य सरकार वाहन वापस नहीं कर सकती तो उसे वाहन स्वामी को अतिरिक्त 4 लाख रुपये वाहन मूल्य के रूप में देने होंगे। मामले के अनुसार 8 सितंबर 2024 को चंदौली जिले में पुलिस ने याचिकाकर्ता चंद्रभान कुमार के व्यावसायिक वाहन को कथित गौ-तस्करी की सूचना पर रोका था। वाहन से 10 जीवित गोवंश बरामद होने का दावा करते हुए पुलिस ने उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम, 1955 तथा पशु क्रूरता निवारण कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। जिलाधिकारी ने यह कहते हुए वाहन जब्त कर लिया कि गोवंश को वध के लिए बिहार ले जाया जा रहा था, जबकि वाहन बिहार सीमा के निकट पकड़ा गया। बाद में आयुक्त ने भी जब्ती आदेश बरकरार रखा। इसी दौरान, अपील लंबित रहते हुए प्रशासन ने वाहन की नीलामी मात्र 85 हजार रुपये में कर दी जबकि याचिकाकर्ता के अनुसार वाहन का बाजार मूल्य 7 लाख रुपये से अधिक था। हाईकोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश के भीतर गोवंश के परिवहन के लिए किसी परमिट की आवश्यकता नहीं है और केवल बिहार सीमा के निकट वाहन पकड़े जाने से यह मान लेना कि पशुओं को वध हेतु बाहर ले जाया जा रहा था उचित नहीं है। अदालत ने टिप्पणी की, 'संदेह चाहे कितना भी प्रबल हो, वह कानूनी प्रमाण का स्थान नहीं ले सकता।' अदालत ने यह भी कहा कि कार्यवाही लंबित रहते वाहन की नीलामी करना और वह भी इतनी कम कीमत पर प्रशासन की स्पष्ट मनमानी को दर्शाता है। हाईकोर्ट ने माना कि इससे याचिकाकर्ता को गंभीर आर्थिक नुकसान हुआ, क्योंकि वाहन उसकी आजीविका का मुख्य साधन है। पशुओं के प्रति क्रूरता के आरोपों पर भी अदालत ने कहा कि अधिकारियों ने ऐसा कोई ठोस निष्कर्ष दर्ज नहीं किया, जिससे यह साबित हो कि पशुओं को ऐसी शारीरिक चोट पहुंची थी, जिससे उनके जीवन को खतरा है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि राज्य सरकार जब्ती की तारीख से वाहन वापसी तक 15 हजार रुपये प्रतिमाह आर्थिक क्षति के रूप में और 20 हजार रुपये मानसिक पीड़ा व उत्पीड़न के लिए अदा करे। यदि वाहन वापस नहीं किया जाता है तो सरकार को 4 लाख रुपये वाहन मूल्य के अतिरिक्त अधिकतम 12 माह की अवधि तक मासिक क्षतिपूर्ति भी देनी होगी। अदालत ने राज्य सरकार को यह स्वतंत्रता भी दी कि वह यह राशि उन अधिकारियों से वसूल सकती है, जिन्होंने मनमानी कार्रवाई को मंजूरी दी थी।

उद्यान मंत्री ने नवीन उपमंडी स्थल का उद्घाटन किया

● विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण/ शिलान्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली:- प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने आज जनपद रायबरेली के किसानों की सेवा के क्रम में दो बड़ी मंडिया ऊंचाहार और सतांव एवं मंडी व जिला पंचायत द्वारा लगभग 50 करोड़ की लागत से 150 परियोजनाओं जो कि निर्मित/ निर्माणाधीन है सड़कों के लोकार्पण/ शिलान्यास किया गया। उद्यान मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऊंचाहार और सतांव मंडी के बन जाने से जो किसान 40-40 व 50-50 किलोमीटर तक अपनी उपज को विक्रय करने के लिए ले जाते थे उन्हें अब 2 से 3 किलोमीटर में ही क्रय विक्रय स्थल उपलब्ध हो गया। उन्होंने कहा कि हरचंदपुर विधानसभा की 100 से अधिक सड़कों के लोकार्पण एवं शिलान्यास से देवतुल्य जनता की समस्याओं का उन गांव में समाधान हुआ है जहां सड़कों के निर्माण हुए। ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगल को मंडी परिषद सतांव में सुंदरकांड एवं संगीतमय पाठ का आयोजन सम्पन्न हुआ। तदुपरांत उपस्थित लोगों द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नवीन उपमंडी स्थल के प्रारंभ होने से स्थानीय किसानों को अपनी उपज के विक्रय के लिए सुलभ और व्यवस्थित मंच मिलेगा, जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त होगा और बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। आज जिन योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है, उनसे क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, पूर्व विधायक राकेश सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप यादव, सुशील शर्मा, सुरेंद्र दाढ़ी, विनोद वाजपेई, पप्पू लोहिया, मंडी परिषद के मुख्य अभियंता एवं उपनिदेशक सहित बड़ी संख्या में जनमानस उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गंगा एक्सप्रेसवे की धंसी सर्विस रोड पर हादसा, बाइक से गिरकर महिला गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के उमरामऊ गांव के निकट गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर मंगलवार को एक और दर्दनाक हादसा हो गया। सड़क के धंसे हिस्से की वजह से बाइक अनियंत्रित हो गई और उस पर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार, गंगापुर बरस गांव निवासी रामरति (50) पत्नी छेदीलाल अपने बेटे हेमराज (26) और तीन वर्षीय नाती दिव्यांशु के साथ बाइक से जा रही थीं। उमरामऊ गांव के पास सर्विस लेन पर सड़क का एक हिस्सा धंसा हुआ है। जैसे ही बाइक उस हिस्से पर पहुंची, अचानक उछल गई और रामरति संतुलन खो बैठीं। इससे वह सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहगीरों की मदद से घायल महिला को यूपीडा की एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सर्विस रोड पर कई जगह सड़क धंसी हुई है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। रविवार को भी इसी स्थान पर धंसे हिस्से में फंसकर बाइक सवार दो सगे भाई गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया है, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रयागराज आगमन कल

ब्यूरो प्रयागराज- मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ कल दिनांक 6 मई, 2026 को पूर्वाहन 11:25 बजे प्रयागराज आएंगे। तत्पश्चात मुख्यमंत्री जी न्यू कैंट में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम-2026 कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री अपराह्न 12:40 बजे प्रयागराज से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

सुपौल में जनगणना 2027 की तैयारियों पर जोर, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

मकान सूचीकरण कार्य की समीक्षा, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर बल जिलाधिकारी- सह- प्रधान जनगणना अधिकारी, सुपौल की अध्यक्षता में मंगलवार को अपराह्न 4:00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के सफल संचालन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी चार्ज जनगणना अधिकारी (ग्रामीण एवं शहरी) तथा विभिन्न प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान 2 मई से 31 मई 2026 तक चलने वाले प्रथम चरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी चार्ज जनगणना अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में प्रगणकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें और आवंटित हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (HLB) में प्रतिदिन मकान सूचीकरण कार्य कराएं। साथ ही पर्यवेक्षकों द्वारा कार्यों का सतत अनुश्रवण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी क्षेत्रों में शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने पर जोर देते हुए प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर जनगणना कार्यों की निगरानी करने तथा चार्ज अधिकारियों के कार्यों की लगातार समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसे समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपन्न करना सुनिश्चित किया जाए।

माटीकला शिल्पकारों को मिलेगा नि:शुल्क विद्युत चाक, 31 मई तक करें आवेदन

भदोही। उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित 'माटीकला टूल्स किट्स वितरण योजना' के तहत जिले के माटीकला शिल्पकारों को नि:शुल्क विद्युत चलित चाक वितरित किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यू.पी. सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के इच्छुक लाभार्थी 31 मई 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, रमनगरा सिंह, ज्ञानपुर (भदोही) में संपर्क किया जा सकता है।

बंगाल में भाजपा की जीत सनातन परंपरा की जीत: पूर्व विधायक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर क्षेत्र के पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह ने खुशी जताई। उन्होंने इसे सनातन परंपरा की जीत बताया। कहा कि यह परिणाम जनता के विश्वास को दर्शाता है। पूर्व विधायक ने कहा कि पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। आजादी के बाद भी यहां की भूमिका अहम रही है। यहां के लोगों ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि हाल के चुनाव परिणामों ने बड़ा संदेश दिया है। जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने ही हिंदुत्व की एकता के लिए काम किया। अन्य दल इस दिशा में पीछे रहे। सुरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि यह जीत केवल राजनीतिक नहीं है। यह विचार और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि सही दिशा में प्रयास हों तो पूरे देश में भी बदलाव संभव है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। कहा कि उनके मार्गदर्शन में यह जीत संभव हुई। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की जीत पश्चिम बंगाल में सुशासन और विकास की दिशा में सकारात्मक संकेत है। पूर्व विधायक ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता ने लोकतंत्र को मजबूत किया है। साथ ही उम्मीद जताई कि आगे भी लोकतांत्रिक परंपराएं और सशक्त होंगी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम भविष्य के लिए नई दिशा दिखाता है। जनता के विश्वास को बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

सहारा विद्याश्रम में जिला प्रशासन का छापा

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

बेतिया। बैरिया प्रखंड स्थित खुशी टोला के सहारा विद्याश्रम में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आज 5मई मंगलवार करीब 11बजे छापेमारी की। एसडीएम विकास कुमार के नेतृत्व में टीम ने पाया कि लाइसेंस रद्द होने के बावजूद केंद्र अवैध रूप से संचालित हो रहा था। यहां 15 लोगों को जबरन रखा गया था, जिन्हें मारपीट कर डराया जाता था। रेस्क्यू लोगों ने बताया कि उन्हें पटना के महावीर मंदिर और अन्य रेलवे स्टेशनों से लाया गया था। जांच में रजिस्टर गड़बड़ी, बिजली चोरी, बिना प्रिस्क्रिप्शन दवाइयों का उपयोग और फर्जी नर्स की मौजूदगी सामने आई। मौके से लाठी-डंडे भी बरामद हुए। सभी को सुरक्षित 'उमंग' केंद्र भेज दिया गया है।

हनुमान गढ़ी मंदिर में जेष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल पर हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज: रायबरेली रोड स्थित हनुमान गढ़ी मंदिर परिसर में जेष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल के अवसर पर इस वर्ष भी भव्य धार्मिक आयोजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन अनुराग अग्रहरि के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत सुंदरकाण्ड पाठ से हुई, जिसके पश्चात हवन-पूजन संपन्न कराया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का शुभारंभ किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजाराम त्यागी ने कहा कि बड़े मंगल का पर्व सेवा, समर्पण और आस्था का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और सद्भाव का संदेश प्रसारित होता है। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। वहीं, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रभात साहू ने अपने संबोधन में कहा कि हनुमान जी की कृपा से ही इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर संपन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि बड़े मंगल पर भंडारा आयोजित करना केवल परंपरा ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने सभी भक्तों से सेवा भाव बनाए रखने और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव, पहरेमऊ भाजपा मंडल अध्यक्ष सुशील सिंह, समय बहादुर, ज्ञानप्रकाश जायसवाल, नामित सभासद सूर्य प्रकाश वर्मा, विजय धीमान, धनश्याम चौरसिया, दयाशंकर सिंह, भाजपा नेता अवधेश मिश्रा, अशोक वर्मा, एमपी सिंह गैस एजेंसी, अभिषेक पाण्डेय, राजू मौर्य, एसएमआई रोहित द्विवेदी, शौरभ, बृजेश प्रताप सिंह, पुनीत सिंह, राघवेन्द्र सिंह, राजेश प्रताप सिंह, शिवबरन साहू, सुधीर साहू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान हनुमान भक्तों ने सेवा भाव से व्यवस्थाएं संभालीं और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण रहा।

UAPA के तहत ज़मानत देने से मना करने का आधार सिर्फ़ इस्लामिक सेमिनार में हिस्सा लेना नहीं हो सकता

● हाईकोर्ट ने तीन लोगों को किया रिहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत आरोपी तीन लोगों को ज़मानत दी। कोर्ट ने कहा कि इस्लामिक साहित्य पर किसी सेमिनार में सिर्फ़ हिस्सा लेना ही,UAPAके तहत ज़मानत पर रोक लगाने वाले प्रावधानों के तहत अपने आप में कोई अपराध नहीं है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन की डिवीज़न बेंच ने कहा कि सेमिनार में हिस्सा लेने के अलावा, अभियोजन पक्ष आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोपों के समर्थन में कोई भी प्रथम दृष्टया सबूत पेश नहीं कर पाया। बेंच ने कहा: 'वर्नन (उपर्युक्त) मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के अनुसार, जैसा कि ऊपर बताया गया, UAPA Act, 1967 के अध्याय IV और अध्याय VI के तहत सूचीबद्ध अपराधों को करने की साज़िश का कोई भी विश्वसनीय मामला नहीं बनता। इसलिए सिर्फ़ सेमिनार में हिस्सा लेना ही UAPA Act की ज़मानत पर रोक लगाने वाली धाराओं के तहत अपने आप में कोई अपराध नहीं हो सकता। हमारी सुविचारित राय है कि अपीलकर्ताओं को ज़मानत दी जा सकती है, क्योंकि यह बात मानी हुई है कि मुक़दमे में अभी काफ़ी समय लगेगा।' आरोपी लोगों ने स्पेशल NIA कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था, जिसमें उनकी ज़मानत अर्ज़ियां खारिज की गई थीं। आरोपी लोगों ने दलील दी कि अभियोजन पक्ष द्वारा जुटाए गए सबूत नाकाफ़ी हैं और उन पर लगाए गए आरोप ज़्यादातर अटकलों पर आधारित हैं। NIA के वकील ने इन अर्ज़ियों का विरोध करते हुए दावा किया कि CrPC की धारा 161 और 164 के तहत दर्ज गवाहों के बयान यह दिखाते हैं कि आरोपी लोग कट्टरपंथी विचारधारा वाले थे और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की ओर झुकाव रखते थे। वकील ने आगे कहा कि कुछ सामग्री बरामद की गई, जिसमें इस्लामिक साहित्य की फ़ोटोकॉपी भी शामिल थी, जो उनकी कथित मानसिकता और इरादे को दर्शाती है। बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के वर्नन बनाम महाराष्ट्र राज्य (2023) मामले पर भरोसा करते हुए कहा कि बिना पुष्टि वाले या कमज़ोर सबूत, जिनमें बिना हस्ताक्षर वाले दस्तावेज़ या तीसरे पक्ष के बीच हुए संवाद शामिल हैं, UAPA के सख़्त प्रावधानों के तहत किसी का दोष साबित करने या ज़मानत देने से मना करने का उचित आधार नहीं बन सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सिर्फ़ साहित्य अपने पास रखना–भले ही वह हिंसा को प्रेरित करता हो या उसका प्रचार करता हो–अपने आप में न तो गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 2002 की धारा 15 के अर्थ के तहत 'आतंकवादी कृत्य' माना जाएगा, और न ही इस अधिनियम के अध्याय IV और VI के तहत कोई अन्य अपराध। धारा 15 आतंकवादी कृत्य को ऐसे किसी भी काम के रूप में परिभाषित करती है, जो भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा, संप्रभुता या आर्थिक स्थिरता को खतरे में डालने और लोगों में दहशत फैलाने के इरादे से किया गया हो।

ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल में सुन्दर काण्ड पाठ एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराजगंज रायबरेली। हैदरगढ़ रोड कस्बा स्थित महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेण्ड्री कालेज में प्रधानाचार्य कमल बाजपेयी ने बच्चों को बताया कि मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी एवं प्रभु श्री राम पहली बार ज्येष्ठ मास के मंगलवार के दिन मिले थे। अतः ज्येष्ठ मास के सभी पड़ने वाले मंगलवार में हनुमान जी की पूजा-अर्चना एवं भंडारे में प्रसाद वितरण किया जाता है। अध्यापकों तथा कुछ बच्चों ने मिलकर मैनेजर अवधेश बहादुर सिंह के साथ सस्वर सुन्दर काण्ड का पाठ किया। तथा आरती के बाद कालेज गेट पर सभी अध्यापक, बच्चों एवं राहगीरों को मालपुआ चना, पूड़ी शब्जी तथा रूहआफजा शरबत का प्रसाद मैनेजर अवधेश बहादुर सिंह एवं प्रधानाचार्य कमल बाजपेयी एवं प्रधानाचार्य राजा चंद्रचूड़ इण्टर कालेज तथा स्टाफ ने अपने हाथों से वितरित किया। सभी के लिए ईश्वर सो मंगल कामना की।

कवन सो काज कठिन जग माही। जो नहि होइ तात तुम्ह पाही।।

सर्व शक्तिमान हनुमान जी सभी का भला करें। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य राजीव मिश्र अनिमेष मिश्र एकाउन्टेन्ट सुरेन्द्र प्राजापति मंजू सिंह, सरिता मिश्रा, अमित सिंह, नीरू बाजपेई अनुपम सिंह, लक्ष्मी सिंह, साधना सिंह, शालिनी सिंह, ज्योति सिंह रूचि सिंह, राजमणि सिंह पिंकी, गरिमा, आलोक जी हर्षित कौर शिवांक मिश्र, शिवशंकर अविका, राज किशोर पाल, अमरेन्द्र प्रजापती अवनीश सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एटीएम बदलकर युवक के खाते से 49 हजार पार, पुलिस जांच में जुटी

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे कालिकाबक्स मजरे ऐहार गांव निवासी एक युवक के साथ एटीएम बदलकर ठगी हो गई। अज्ञात लोगों ने उसके खाते से 49 हजार रुपये निकाल लिए। मोबाइल पर मैसेज आने के बाद पीड़ित को धोखाधड़ी की जानकारी हुई। उसने पुलिस को तहरीर दी है। कलिका बक्स का पुरवा मजरे ऐहार गांव निवासी कमलेश कुमार ने बताया कि वह एक मई को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के गेट नंबर 3 के सामने स्थित एटीएम बूथ पर रुपये निकालने गया था। पहले उसने कुछ पैसे निकाले इसके बाद जब वह 10 हजार रुपये निकालने लगा तो मशीन से पैसे नहीं निकले। पीड़ित ने बताया कि कुछ देर बाद उसके मोबाइल पर मैसेज आया। इसमें पांच बार में उसके खाते से कुल 49 हजार रुपये निकलने की जानकारी मिली। पीड़ित ने आशंका जताई है कि एटीएम बूथ पर उसके पीछे खड़े एक अज्ञात व्यक्ति ने उसका कार्ड बदल लिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है और जांच की जा रही है।

प्रशिक्षण केंद्र का पुलिस अधीक्षक ने किया औचक निरीक्षण

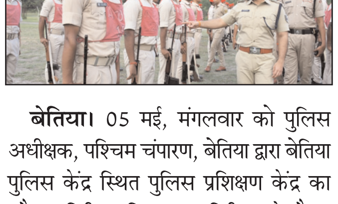

बेतिया। 05 मई, मंगलवार को पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण, बेतिया द्वारा बेतिया पुलिस केंद्र स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु सिपाहियों की उपस्थिति, अनुशासन, प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा उपलब्ध सुविधाओं का गहन अवलोकन किया गया।पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रशिक्षुओं को कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित एवं जनहित के प्रति संवेदनशील पुलिसकर्मी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं कौशल भविष्य में उनके कार्य निष्पादन की गुणवत्ता को निर्धारित करेगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षुओं को शारीरिक दक्षता, विधि-व्यवस्था बनाए रखने की तकनीक, आधुनिक पुलिसिंग, तथा आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, प्रशिक्षण केंद्र के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक बनाया जाए, ताकि प्रशिक्षु सिपाही वास्तविक परिस्थितियों में दक्षतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

असम-बंगाल में जनादेश की 'चोरी'

● भारतीय लोकतंत्र को 'नष्ट' करने के क्क्षक्कके मिशन में उसका बड़ा कदम है: राहुल गांधी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि असम और पश्चिम बंगाल में 'जनादेश की चोरी' देश के लोकतंत्र को नष्ट करने के भारतीय जनता पार्टी के 'मिशन' के तहत उठाया गया बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह बात कांग्रेस के 'कुछ लोगों' और उन दूसरे लोगों को अच्छी तरह समझने की जरूरत है जो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार से खुश हो रहे हैं। BJP पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 206 सीटें जीतकर पहली बार सरकार बनाने जा रही है। उसने असम में जीत की हैट्रिक लगाई है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कांग्रेस में कुछ लोग और अन्य लोग टीएमसी की हार पर खुश हो रहे हैं। उन्हें यह स्पष्ट रूप से समझने की जरूरत है कि असम और बंगाल के जनादेश की चोरी भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के अपने मिशन में भाजपा का एक बड़ा कदम है।

' उन्होंने कहा, 'क्षुद्र राजनीति को किनारे रखें, यह किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी के बारे में नहीं है, यह भारत के बारे में है।' पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया था कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 100 सीटों की 'लूट की है।' राहुल गांधी ने उनके दावे का समर्थन किया था और आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग की मदद से BJP ने असम और पश्चिम बंगाल में चुनाव की चोरी की है।

मौजूद ही नहीं जो कानून, उसी के तहत दे दिया तलाक

● इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट का आदेश रद्द किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बांदा फैमिली कोर्ट द्वारा पारित तलाक डिक्री रद्द करते हुए कड़ी टिप्पणी की कि अदालत ने ऐसे कानून के तहत तलाक दिया, जिसका अस्तित्व ही नहीं है। हाईकोर्ट ने संबंधित न्यायिक अधिकारी के फैसले को अत्यंत लापरवाह और अनौपचारिक बताते हुए उसकी कार्यप्रणाली पर नाराज़गी जताई। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस विवेक सारन की खंडपीठ ने यह आदेश पति की अपील पर पारित किया, जिसने जनवरी 2026 में फैमिली कोर्ट द्वारा पत्नी को दिए गए तलाक आदेश को चुनौती दी थी। मामले में पत्नी ने अपनी याचिका मुस्लिम स्त्री विवाह विच्छेद अधिनियम, 1986 के तहत दायर की थी जबकि ऐसा कोई कानून अस्तित्व में ही नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि संभवतः याचिका में मुस्लिम विवाह विघटन अधिनियम, 1939 का उल्लेख होना चाहिए, जो मुस्लिम महिलाओं को तलाक मांगने का अधिकार देता है। अदालत ने कहा कि केवल याचिका में गलत कानून का उल्लेख होने से आदेश स्वतः अवैध नहीं हो जाता, यदि ट्रायल कोर्ट सही कानून के तहत अधिकार प्रयोग करे। हालांकि, इस मामले में फैमिली कोर्ट ने स्वयं अपने पूरे निर्णय में बार-बार उसी गैर-मौजूद कानून का उल्लेख किया और उसी के तहत राहत भी प्रदान की। हाईकोर्ट ने कहा, 'यह सुनिश्चित करना अदालत का दायित्व है कि जिस कानून का वह उल्लेख कर रही है, वह वास्तव में अस्तित्व में हो। केवल याचिका में हुई त्रुटि ट्रायल कोर्ट को वही गलती दोहराने का अधिकार नहीं देती।' खंडपीठ ने कहा कि अस्तित्वहीन कानून के आधार पर दिया गया निर्णय विधि और तथ्य दोनों की दृष्टि से दोषपूर्ण है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट का आदेश रद्द करते हुए मामला पुनः उसी अदालत को भेज दिया और निर्देश दिया कि वह सही कानूनी प्रावधानों के तहत नया निर्णय पारित करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि नए सिरे से पूरा ट्रायल नहीं होगा और फैमिली कोर्ट उपलब्ध साक्ष्यों व रिकॉर्ड के आधार पर ही निर्णय दे सकती है, जब तक उसे अतिरिक्त साक्ष्य की आवश्यकता न लगे। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट को तीन माह के भीतर नया फैसला देने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी में भाजपा की बड़ी जीत

कृष्णेंदु पाल ने कांग्रेस प्रत्याशी को हराया

असम (श्रीभूमि): श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी कृष्णेंदु पाल ने कांग्रेस उम्मीदवार कार्तिक सेन सिन्हा को भारी मतों के अंतर से पराजित किया। चुनाव परिणामों के अनुसार, कृष्णेंदु पाल ने कुल 98,101 वोट प्राप्त कर जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी कार्तिक सेन सिन्हा को 51,337 वोट मिले। इस तरह भाजपा उम्मीदवार ने 46,000 से अधिक मतों के अंतर से यह सीट अपने नाम की। यह जीत पाथारकांदी क्षेत्र में भाजपा के मजबूत लोकप्रियता को दर्शाती है।गणना के दौरान शुरू से ही भाजपा प्रत्याशी ने बढ़त बनाए रखी और अंततः निर्णायक जीत हासिल की। क्षेत्र के में भाजपा की यह जीत न केवल पार्टी के लिए एक बड़ी राजनीतिक सफलता है, बल्कि श्रीभूमि जिले में उसके संगठनात्मक प्रभाव को भी और मजबूत करती है।

उत्तर करीमगंज में कांग्रेस की बड़ी जीत जाकारिया अहमद (पान्ना) ने भाजपा प्रत्याशी को हराया

श्रीभूमि: असम के उत्तर करीमगंज विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत दर्ज की है। कांग्रेस उम्मीदवार जाकारिया अहमद (पान्ना) ने भाजपा प्रत्याशी सुब्रत भट्टाचार्य को हराकर सीट अपने नाम कर ली। चुनाव परिणामों के अनुसार, मतगणना के शुरुआती रुझानों से लेकर अंतिम चरण तक जकरिया पन्ना लगातार बढ़त बनाए रहे और अंततः निर्णायक अंतर से विजयी घोषित हुए। पूरे निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया। इस परिणाम को क्षेत्र की राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। जकरिया अहमद की यह जीत पार्टी के लिए एक बड़ी राजनीतिक सफलता मानी जा रही है। उत्तर करीमगंज में कांग्रेस की यह जीत आने वाले समय में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है और क्षेत्र में पार्टी की स्थिति को मजबूत करेगी।

आबकारी घोटाला: केजरीवाल-सिसोदिया-दुर्गेश पाठक के लिए तीन वरिष्ठ अधिवक्ता नियुक्त करेगा हाई कोर्ट

दिल्ली। आबकारी घोटाला मामले में ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया व दुर्गेश पाठक के लिए न्याय मित्र नियुक्त करेगा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि न्याय मित्र नियुक्त होने के बाद मामले पर सुनवाई होगी। अदालत ने कहा कि मामले में तीन वरिष्ठ अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। मामले पर अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी।

क्यों केजरीवाल ने खुद को सुनवाई से किया अलग

केजरीवाल-सिसोदिया और पाठक ने अदालत की कार्यवाही से खुद को अलग कर लिया है, क्योंकि मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने मांग वाली उनकी अर्जी को न्यायमूर्ति शर्मा ने ठुकरा दिया था।ट्रायल कोर्ट ने भ्रष्टाचार से जुड़े सीबीआई के मामले में केजरीवाल-सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपितों को आरोपमुक्त कर दिया था।

इंजीनियर रशीद को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली राहत, पिता से मिलने एम्स जाने की अनुमति

नई दिल्ली। अंतरिम जमानत की शर्तों में संशोधन की मांग को लेकर आतंकी फंडिंग मालमे में आरोपित व सांसद इंजीनियर रशीद द्वारा दायर की अर्जी को दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने रशीद को पुलिस हिरासत में एम्स दिल्ली में जाने की अनुमति दे दी। रशीद ने अर्जी दायर कर कहा है कि पूर्व आदेश में अदालत ने उन्हें श्रीनगर में रहने का आदेश दिया है, जबकि उनके पिता का स्वास्थ्य खराब होने पर उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। ऐसे में उन्हें शर्तों में बदलाव कर उन्हें दिल्ली में रहने की अनुमति दी जाए।

अमेरिका का 'फ्लाइंग गैस स्टेशन' कतर के आसमान से हुआ गायब, इमरजेंसी घोषित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अमेरिका का बोइंग KC-135 स्ट्रैटोटैंकर, जो अमेरिकी सेना के विमानों के लिए 'फ्लाइंग गैस स्टेशन' का काम करता है, उसने '7700' का संकट का संकेत जारी किया। Flightradar24 के अनुसार, यह घटना तब हुई जब विमान मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान के पास से फारस की खाड़ी के ऊपर उड़ान भर रहा था, इसी दौरान इमरजेंसी घोषित कर दी। अमेरिका का यह विमान संयुक्त अरब अमीरात के अल धाफरा एयर बेस से उड़ा था, जिसके बाद कतर के ऊपर से इसके संकेत मिलने बंद हो गए। खबरों के मुताबिक, यह विमान मिडिल-ईस्ट में चल रहे सैन्य अभियानों में मदद के लिए काम कर रहा था।

इमरजेंसी का असली कारण अभी साफ नहीं

फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि विमान लैंडिंग के लिए नीचे उतरने से पहले, कुछ देर तक हवा में गोल-गोल घूमता रहा। इमरजेंसी का असली कारण अभी साफ नहीं है और इस घटना का किसी दुश्मन की कार्रवाई से कई संबंध होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान की ओर से नहीं आया कोई बयान

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी Fars ने Flightradar24 के डेटा का हवाला देते हुए इस विमान के गायब होने की खबर दी। ईरान की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं आया है जिससे यह लगे कि अमेरिकी सेना के इस विमान की इमरजेंसी में उसका कोई हाथ है। वहीं अमेरिकी सेना ने भी विमान की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

क्या है KC-135 स्ट्रैटोटैंकर?

KC-135 स्ट्रैटोटैंकर एक सैन्य विमान है, जिसके पीछे की ओर मुड़े हुए पंख के नीचे चार टर्बोफैन इंजन लगे होते हैं और इसका मुख्य इस्तेमाल हवा में ही दूसरे विमानों में ईंधन भरने के लिए किया जाता है। इस विमान में ईंधन भरने वाले सिस्टम के ऊपर एक कार्गो डेक होती है, जिससे यह यात्रियों के साजो-सामान को भी ले जा सकता है। यह पिछले 60 सालों से अमेरिकी वायुसेना के अभियानों का एक अहम हिस्सा रहा है।

डराने की तैयारी में आलिया भट्ट

● इस धांसू हॉरर फ्रेंचाइजी फिल्म में हुई एंट्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। साल 2026 और 2027 के लिए आलिया भट्ट के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें यशराज फिल्म्स की स्पाई थ्रिलर 'अल्फा' और संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' शामिल हैं। इसी बीच एक्ट्रेस के हाथ अब एक और बेहद सफल फ्रेंचाइजी लग गई है। इस मूवी में उनका रोल बहुत बड़ा तो नहीं है, लेकिन काफी पावरफुल जरूर है। कौन-सी है वह सफल हॉरर फ्रेंचाइजी, जिससे 'पटाखा गुड्डी' जुड़ने जा रही हैं? नीचे विस्तार से पढ़ें पूरी डिटेल्सः

हॉरर फैंटेसी ड्रामा में हुई आलिया भट्ट की एंट्री

पिंकविला की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट की मानें तो, एक्शन से लेकर रोमांस और कई सीरियस रोल्स करने के बाद अब आलिया भट्ट 'तुम्बाड़ 2' के साथ हॉरर वर्ल्ड में कदम रखने जा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बाद 'तुम्बाड़' की इस सफल फ्रेंचाइजी से हाल ही में आलिया भट्ट का नाम भी जुड़ गया है और उन्होंने इस फिल्म के लिए शूटिंग भी शुरू कर दी है। वह तकरीबन 20 दिन तक इस फिल्म की शूटिंग करने वाली हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो 'तुम्बाड़ 2' में उनका स्क्रीन टाइम काफी लिमिटेड है, लेकिन उनका रोल बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो फिल्म में कई ट्विस्ट एंड टर्न लेकर आएगा। साथ ही यह किरदार तीसरी फिल्म की नींव भी रखेगा। उनके किरदार की कहानी 'तुम्बाड़ 3' में भी जारी रहेगी और वह सोहम शाह के साथ मिलकर फिल्म के क्लाइमेक्स में जान डालेंगी।

बाल श्रम पर बड़ी कार्रवाई, 40 बच्चे रेस्क्यू, 4 कारखाने समेत 2 दुकानें सील

दिल्ली। जगजीत नगर, घोंडा में बाल श्रम के संबंध में मिली एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, यमुना विहार के SDM ने कार्रवाई शुरू की। चार यूनिट और दो दुकानों को सील कर दिया गया। लगभग 40 नाबालिग बच्चों को बचाया गया।बाल श्रम में बच्चों को लगाए जाने के संबंध में एक शिकायत प्राप्त हुई थी। इसके बाद, यमुना विहार के SDM उस्मानपुर पुलिस स्टेशन की पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ, मौके पर पहुंचे और कार्रवाई की। बचाए गए बच्चों को एक बाल आश्रय गृह भेज दिया गया है।

आग, पानी, कीड़े-मकौड़े, खतरनाक स्टंट्स... कैसे होगा कंटेस्टेंट्स का स्वागत?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। नए सीजन को लेकर फैंस में एक्साइटमेंट है। कुछ दिनों पहले, कई प्रतियोगियों ने सोशल मीडिया पर मिस्ट्री पोज 'K'वाली पोस्ट शेयर करके अटकलों को हवा दी थी। इससे इस बात को लेकर चर्चा बढ़ गई थी कि क्या ये लोग खतरों के खिलाड़ी में नजर आने वाले हैं। अब, कंटेस्टेंट्स के नामों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है। इनमें कुछ पिछले सीजन के जाने-पहचाने चेहरे हैं और साथ में कई नए कंटेस्टेंट भी शामिल हैं। कलर्स ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पुष्टि की है कि नए कंटेस्टेंट्स के साथ पुराने कंटेस्टेंट की वापसी ने उत्साह को और बढ़ा दिया है, जिससे एक्शन से भरपूर सीजन के लॉन्च से पहले ऑनलाइन फैंस के बीच इसको लेकर चर्चा तेज हो गई है। आइए जानते हैं कौन-कौन से कलाकार होंगे शामिल।

गौरव खन्ना–अनुपमा सीरियल के अभिनेता गौरव खन्ना बिग बॉस 19 के हाल ही के विनर रहे हैं। एक्टर अब खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आएंगे। इस बारे में बात करते हुए खन्ना ने कहा कि खतरों के खिलाड़ी एक अलग तरह की परीक्षा है और उनका हमेशा से यही मानना रहा है कि जमीन से जुड़े रहना और चीजों को संयम से संभालना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि लोग उन्हें सालों से इसी रूप में देखते आए हैं, जिसने बिग बॉस 19 के दौरान भी दर्शकों को प्रभावित किया।

रुबिना दिलैक– इससे पहले रुबिना दिलैक को खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 में देखा गया था। इस सीजन में कोरियोग्राफर तुषार कालिया विजेता बने थे।

अविका गैर– अविका गौर को खतरों के खिलाड़ी सीजन 9 में भी देखा गया था। उनके अलावा करण वाही भी शो में नजर आ सकते हैं जिन्हें पहले भी खतरों के खिलाड़ी सीजन 8 में हम देख चुके हैं। इसके अलावा हर्ष गुजराल का भी नाम सामने आ रहा है। ओरी को भी इस बार शो का मजबूत कंटेस्टेंट माना जा रहा है। वहीं खतरों के खिलाड़ी सीजन 9 का हिस्सा रहीं जैस्मिन भसीन और शगुन शर्मा का भी नाम कंटेस्टेंट की लिस्ट में है। अविनाश मिश्रा और फरहाना भट्ट भी खतरों के खिलाड़ी का हिस्सा होंगे, जबकि विशाल आदित्य सिंह को इससे पहले सीजन 11 में देखा जा चुका है।

ऑनलाइन निवेश और टास्क फ्रॉड गिरोह का भंडाफोड़

दिल्ली। पूर्वी जिला के साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन निवेश और टास्क फ्रॉड करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपितों को उत्तराखंड के उधम सिंह नगर से गिरफ्तार किया है। ये आरोपित साइबर ठगों को म्यूल बैंक खाते उपलब्ध कराकर ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर कराने में मदद करते थे। पुलिस ने इनके पास से पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जांच में 3.40 लाख से अधिक की ठगी से जुड़े लिंक सामने आए हैं। न्यू अशोक नगर निवासी शशि रंजन भारती को 6 अप्रैल को एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर ठगों ने टास्क और निवेश के नाम पर 1,01,869 की ठगी कर ली। शिकायत के बाद साइबर थाना पूर्वी में मामला दर्ज हुआ। पुलिस जांच में पता चला कि ठगी की रकम आरोपितों के खातों में पहुंची, जिसे बाद में कई खातों में घुमाकर छिपाने की कोशिश की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए सभी आरोपितों को पकड़ लिया। राज बच्छर और समीर बच्छर अपने खाते देते थे, जबकि रोहित रे, रोहित मिस्त्री और हरीश सरकार अन्य खाते जुटाकर नेटवर्क को सप्लाई करते थे। सभी आरोपित कमीशन पर काम करते थे।

जिले के रामकृष्णनगर में भाजपा की प्रचंड जीत

● विजय मालाकार ने 83,765 मतों के रिकॉर्ड अंतर से हासिल की ऐतिहासिक विजय

भाजपा का परचम लहराया, भारी अंतर से विजयी

समर्थकों ने आतिशबाजी व फूल-मालाओं से मनाया जश्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि– असम के श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक ऐतिहासिक और प्रचंड जीत दर्ज की है। भाजपा उम्मीदवार विजय मालाकार ने कांग्रेस प्रत्याशी सुरुचि राय को 83,765 मतों के रिकॉर्ड अंतर से पराजित कर क्षेत्र में नया राजनीतिक इतिहास रच दिया। कुल 1,89,546 मतों में से विजय मालाकार को 1,34,013 मत प्राप्त हुए। मतगणना की शुरुआत से ही उन्होंने मजबूत बढ़त बनाए रखी, जो अंत तक निर्णायक अंतर में बदल गई। इस जीत के साथ उन्होंने लगातार तीसरी बार विधायक बनने का गौरव हासिल किया। लगातार तीसरी जीत का सफर विजय मालाकार ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 2019 के उपचुनाव से की थी, जब वे रताबाड़ी विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बने। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने जीत दर्ज कर दूसरी बार विधायक पद संभाला। अब रामकृष्णनगर नाम से परिवर्तित इसी क्षेत्र से उन्होंने तीसरी बार भारी अंतर से विजय प्राप्त की है। विवादों के बीच मिली जीत दूसरे कार्यकाल के दौरान उन पर नागरिकता से जुड़े आरोप लगे थे, जो वर्तमान में गुवाहाटी हाईकोर्ट में विचाराधीन हैं। इसके बावजूद पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें पुनः उम्मीदवार बनाया। विजय मालाकार ने जीत के बाद मीडिया के सामने प्रतिक्रिया दी जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत विकास और जनविश्वास की जीत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी जीत का अंतर लगातार बढ़ता गया है–पहली बार 24,000, दूसरी बार 46,000 और इस बार 83,765 मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज हुई है। समर्थकों में उत्सव का माहौल जीत की घोषणा के बाद रामकृष्णनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार जश्न मनाया। आतिशबाजी, फूल-मालाओं और गुलदस्तों के साथ लोगों ने अपनी खुशी व्यक्त की और 'भाजपा जिंदाबाद' के नारे लगाए। राजनीतिक प्रभाव राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह परिणाम असम की राजनीति में भाजपा की पकड़ को और मजबूत करता है तथा क्षेत्रीय चुनावी समीकरणों में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है।

दीपक चाहर की बहन का हार्दिक पर तंज

● मालती ने सूर्यकुमार की कप्तानी की तारीफ की, बोलीं- फिर से पुरानी MI दिखी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। जैसे-जैसे आईपीएल अपने अंजाम की ओर आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे प्लेऑफ की जंग और दिलचस्प होती जा रही है। सोमवार को मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को हराकर खुद को प्लेऑफ की रेस में बनाए रखा। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 228 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में हार्दिक पांड्या नहीं खेल रहे थे और उनकी जगह सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे थे। मैच के बाद एमआई के तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसे फैंस हार्दिक पांड्या पर तंज मान रहे हैं। इस मैच से पहले हार्दिक की कप्तानी में मुंबई ने नौ में से सात मैच गंवाए थे। मालती ने लिखा कि लखनऊ के खिलाफ मैच में पुरानी मुंबई इंडियंस की झलक दिखी। साथ ही उन्होंने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की तारीफ भी की। मालती ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'फिर असली मुंबई इंडियंस जैसी फीलिंग आई! लगभग सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बहुत बढ़िया खेले रेयान रिकेल्टन और रोहित भैया! सूर्यकुमार की कप्तानी भी शानदार रही। और दीपक ने पूरे चार ओवर डाले, बहुत अच्छी गेंदबाजी भाई! यह सही मायनों में टीम गेम था। यही है मुंबई इंडियंस!' फैंस इस पोस्ट को हार्दिक पर तंज मान रहे हैं। हार्दिक की कप्तानी की जमकर आलोचना भी हो रही है। यह जीत पांच बार की चैंपियन टीम के लिए बड़ी राहत बनकर आई, जिससे उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रहीं। मुंबई की टीम फिलहाल अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जबकि लखनऊ आखिरी स्थान पर है। नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या पीठ में ऐंठन के कारण यह मैच नहीं खेल सके थे। दीपक चाहर को इस मैच से पहले पूरे चार ओवर भी डालने को नहीं मिल रहे थे। हालांकि, लखनऊ के खिलाफ उन्होंने चार ओवर में 43 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। दीपक ने अपने आखिरी दो ओवरों में सिर्फ 15 रन खर्च किए, जो लखनऊ सुपर जाएंट्स को 228 रन पर रोकने में बेहद अहम साबित हुआ। मैच के बाद कार्यवाहक कप्तान सूर्या ने कहा, 'सच कहूं तो हम इस सीजन में कई बार ऐसी स्थिति में रहे हैं। हमारे लिए यह कुछ नया नहीं था। मुझे पता था कि टी20 क्रिकेट में पावरप्ले के बाद सात से 10 ओवर का समय सबसे अहम होता है, जहां से मैच पलटा जा सकता है। हमें मालूम था कि अगर यहां-वहां दो विकेट मिल जाएं तो हम मुकाबले पर पकड़ बना सकते हैं। जिस तरह सभी गेंदबाजों ने जवाब दिया, उसने शानदार जज्बा दिखाया।' उन्होंने आगे कहा, 'करीब आठ या नौ ओवर तक लखनऊ ने एक या दो विकेट पर 110 या 120 रन बना लिए थे, मुझे ठीक से याद नहीं। लेकिन वहां से उन्हें 228 पर रोकना शानदार था।'

बहन के अपमान का खौफनाक बदला

● नाबालिग भाई ने 'मीट कटर' से युवक को मौत के घाट उतारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। राजधानी के बाहरी दिल्ली इलाके में नाबालिगों द्वारा की जाने वाली अपराध की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब बहन पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर किशोर ने मीट काटने वाला चाकू मारकर युवक की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित नाबालिग मौके से फरार हो गया। जिसे कुछ ही देर बाद पुलिस ने दबोच लिया। उत्तर पश्चिमी जिला पुलिस के अधिकारी के मुताबिक संगम पार्क निवासी अमन सोमवार सुबह करीब 9:40 बजे स्कूटी से अपने दोस्त के साथ रोजगार की तलाश में वजीराबाद जा रहा था। रास्ते में मलिकपुर में कूड़े के खत्ते के पास एक नाबालिग ने उन्हें रोक लिया। अमन जब तक कि कुछ समझ पाते उसने चाकू से उस पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए।

क्राइम

स्वतंत्र प्रभात

दोस्त ने बचाने का प्रयास किया तो उसे भी मारा

स्कूटी चला रहे दोस्त ने अमन को बचाने का प्रयास किया तो उसने चाकू से हमला कर उसे भी घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके इस बीच किशोर मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में दोस्त ने आसपास के लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वारदात के बाद पुलिस ने कुछ ही देर में संगम पार्क क्षेत्र से ही नाबालिग को पकड़कर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि अमन से उसकी जान-पहचान थी। उसने बहन को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसकी रंजिश के चलते ही उसने सोमवार की सुबह मौका लगते ही उसकी हत्या कर दी।

दिल्ली में RBI बिल्डिंग में लगी आग, 15 मिनट में काबू

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगलवार दोपहर संसद मार्ग स्थित आरबीआई (RBI) की इमारत में अचानक आग लगने से कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। दमकल विभाग के मुताबिक, आग लगने की सूचना दोपहर करीब 1:05 बजे मिली, जिसके बाद तुरंत पांच दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। फायर ब्रिगेड की टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए महज 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया।

एमसीबी बॉक्स से उठी थीं लपटें

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आग सोलर पैनल से जुड़े एमसीबी (MCB) बॉक्स में लगी थी। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की कोई सूचना नहीं है। गौरतलब है कि इससे पहले राजधानी के चावड़ी बाजार इलाके में भी एक इमारत में आग लगने की घटना सामने आई थी, जहां दमकल विभाग को तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करना पड़ा था।

AAP पर भड़के राघव चड्ढा: BJP में गए सांसदों के उत्पीड़न का आरोप

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी उन सांसदों के खिलाफ खतरनाक बदले की राजनीति कर रही है। ये सांसद अप्रैल में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। राघव चड्ढा के अनुसार, विलय के बाद से ही उनका लगातार उत्पीड़न हो रहा है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि उत्पीड़न के कई मामले सामने आए हैं। विश्व कप विजेता हरभजन सिंह के जालंधर स्थित निवास पर पथराव किया गया। पंजाब पुलिस की मदद से उनके घर के बाहर 'देशद्रोही' लिखा गया। उनकी माता और बहनों के बारे में आपत्तिजनक नारे भी लगाए गए। पद्म श्री राजेंद्र गुप्ता की पंजाब के मालवा इलाके में स्थित फैक्ट्री को बंद करने का प्रयास हुआ। पंजाब सरकार ने उनकी फैक्ट्री का पानी का कनेक्शन काट दिया। प्रदूषण बोर्ड ने छापा मारकर फैक्ट्री बंद करने की कार्रवाई शुरू की। सांसद संदीप पाठक, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के प्राध्यापक थे, उनके खिलाफ दो दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत प्राथमिकी दर्ज की गई। मीडिया के माध्यम से उनकी गिरफ्तारी की अफवाह फैलाई गई। राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी को चेतावनी दी कि यह खतरनाक खेल है जिसका अंत बुरा होगा। राघव चड्ढा ने बताया कि जब तक वे आम आदमी पार्टी के साथ थे, तब तक उन्हें अच्छा और संस्कारी बताया जाता था। पार्टी छोड़ने के बाद उन्हें गलत और भ्रष्टाचारी घोषित कर दिया गया। राघव चड्ढा ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार की एजेंसियों और पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। आम आदमी पार्टी इस प्रकार से गंदा खेल रच रही है। उन्होंने पहले भी आम आदमी पार्टी में 'जहरीली कार्य संस्कृति' होने की बात कही थी। उनका मानना है कि पार्टी भ्रष्टाचारी और समझौताग्रस्त लोगों के हाथों में फंस चुकी है। राघव चड्ढा ने पंजाब सरकार के अधिकारियों से भी अपील की है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे आम आदमी पार्टी सरकार की धमकियों से न डरें। नेता और विशेष कर्तव्य अधिकारी तबादले या निलंबन की धमकी दे रहे हैं। वे 6-7 लोगों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार चंद महीनों की मेहमान है। अधिकारियों को कानून के तहत और देश हित में फैसले लेने चाहिए।

विवेक विहार अग्निकांड: CM रेखा गुप्ता ने पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

● अग्नि सुरक्षा की सख्ती के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। विवेक विहार में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के स्वजन के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए। साथ ही अग्नि सुरक्षा के मानकों का सख्ती से पालन करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि घटना बेहद दुखद और चिंताजनक है, जिसे एक गंभीर चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए।भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए अग्नि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, राजधानी की इमारतों में सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक जांच करने और जहां भी खामियां मिलें, उन्हें तुरंत दुरुस्त करने के आदेश दिए।उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा के नियमों के पालन में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पीड़ित परिवारों ने अपने जरूरी दस्तावेजों के आग में जलने की जानकारी दी। इसपर सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द सभी औपचारिकताएं पूरी करवाकर नए दस्तावेज बनवाए जाएं। इस दौरान विधायक संजय गोयल, पार्षद पंकज लूथरा समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। सीएम के जाने के बाद भी पीड़ित परिवारों को सांत्वना देने वालों का तांता लगा रहा। लोगों ने घटना पर शोक जताया।

पुलिस ने एमसीडी को पत्र लिखकर मांगी जानकारी

मंगलवार को भी पुलिस, फोरेंसिक साइंस लैब, दमकल विभाग और बीएसईएस की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। टीम ने तमाम तथ्य जुटाए और आग लगने के कारणों की जांच की। पुलिस ने लापरवाही से मौत के मामले में अज्ञात के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। पुलिस ने नगर निगम के उपायुक्त को पत्र लिखकर जानकारी मांगी है कि इमारत का नक्शा किसने पास किया। पुलिस मामले में नगर निगम के जेई और एई समेत अन्य अधिकारियों को भी आरोपित बना सकती है। नक्शे के विपरीत हुए निर्माण के लिए नगर निगम के अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार माने जा रहे हैं। ऐसे में उनपर भी कार्रवाई तय मानी जा रही है। इसके साथ ही बिल्डर की भी जानकारी मांगी गई है। जिसने मानकों का उल्लंघन करते हुए इमारत बनाई है।